खंड ५ संख्या ६

बिहार विधान-सभा वादवृत्त

सरकारी प्रतिवेदन

(भाग १—कार्यवाही—प्रश्नोत्तर)

बुधवार, तिथि २२ मई, १९६८ ।

सत्यमेव जयते

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय,
बिहार, पटना-७ द्वारा मुद्रित
१९६९

[मूल्य—३७ पैसे]

पलासी प्रखंड में अक्टूबर, १९६४ से चिकित्सा-पदाधिकारी नहीं हैं। १९६६ में नये चिकित्सा-पदाधिकारी को पदस्थापित किया गया था, परन्तु उन्होंने प्रदग्रहण नहीं किया।

(२) अररिया बाढ़-पीड़ित नहीं है।

(३) नये चिकित्सा-पदाधिकारियों को नियुक्ति को जा रही है। चिकित्सा-पदाधिकारी का पदस्थापन शीघ्र किया जायगा।

*श्री शीतल प्रसाद गुप्त—सरकार कैसे समझती है कि अररिया बाढ़-पीड़ित क्षेत्र नहीं है; क्या बरसात आने के पहले पदस्थापित कर दिया जायगा?

श्री कृष्ण कांत सिंह—१५ जून के बाद बरसात शुरू होता है अतः पदस्थापन १५ जून के पहले ही हो जायेगा।

औरंगाबाद राजकीय अस्पताल में चिकित्सक का पदस्थापन

२७। श्री सरयू सिंह—क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बताने की कृपा करेंगे कि—

(१) क्या यह बात सही है कि गया जिलान्तर्गत औरंगाबाद राजकीय अस्पताल के प्रधान चिकित्सक का स्थानान्तरण हुए लगभग एक वर्ष हो रहा है, पर उनके स्थान पर अभी तक कोई चिकित्सक नहीं भेजा गया है;

(२) यदि उपर्युक्त खंड का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार निकट भविष्य में वहां किसी अनुभवी चिकित्सक को भेजने की बात सोच रही है?

श्री कृष्ण कांत सिंह—(१) औरंगाबाद अवर प्रमंडलीय अस्पताल के उपाधीक्षक गत सितम्बर, १९६७ में बिरमित हुए उसके बाद से ही वहां उपाधीक्षक का पद रिक्त है।

(२) वहां शीघ्र उपाधीक्षक का पदस्थापन किया जायगा।

*श्री सरयू सिंह—कब तक?

श्री कृष्ण कांत सिंह—शीघ्र ही।

श्री सरयू सिंह—एक महीना के अन्दर?

श्री कृष्ण कांत सिंह—मैं कोशिश कर रहा हूं कि जितना जल्द हो सके, उस खाली जगह को भर दूं।